भगत नामदेव - सबद ११

अणमड़िआ मंदलु बाजै ॥

रागु सोरठि, भगत नामदेव, गुरु ग्रंथ साहिब, ६५७

अणमड़िआ मंदलु बाजै ॥
बिनु सावण घनहरु गाजै ॥
बादल बिनु बरखा होई ॥
जउ ततु बिचारै कोई ॥१॥
मो कउ मिलिओ रामु सनेही ॥
जिह मिलिऐ देह सुदेही ॥१॥ रहाउ ॥
मिलि पारस कंचनु होइआ ॥
मुख मनसा रतनु परोइआ ॥
निज भाउ भइआ भ्रमु भागा ॥
गुर पूछे मनु पतीआगा ॥२॥
जल भीतरि कुमभ समानिआ ॥
सभ रामु एकु करि जानिआ ॥
गुर चेले है मनु मानिआ ॥
जन नामै ततु पछानिआ ॥३॥३॥

सार: एकीकृत चेतना वह अवस्था है जिसमें मन अलगाव की पहचान से ऊपर उठकर अस्तित्व को एक साँझा अनुभव के रूप में महसूस करता है। इस अवस्था की तुलना अनेक दीपकों से की जा सकती है जो एक ही लौ की ज्योति से प्रकाशित होते हैं, प्रत्येक दीपक रूप में भिन्न हो सकता है परंतु उनकी मूल सत्ता एक ही है। इस अनुभूति में साधक और साध्य एक हो जाते हैं और जागरूकता की खोज उस ज्ञान की पहचान बन जाती है जो पहले से ही भीतर विद्यमान है। जैसे-जैसे यह स्पष्टता गहरी होती जाती है, द्वैत का बोध कम होता है और जो पहले बाहरी प्रतीत होता था वह आंतरिक रूप से विद्यमान समझा जाता है। हमारे कर्म अलग-थलग घटनाओं से एक सामूहिक स्थान में

गतिविधियों में परिवर्तित हो जाते हैं जो हमारे कर्मों और उनके परिणामों के बीच गहरे संबंधों को उजागर करते हैं।

अणमड़िआ मंदलु बाजै ॥
खाल पर थप्प बिना भी, ढोल आवाज़ करता है। यह उस आंतरिक गूंज को दर्शाता है जो बाहरी प्रभावों से पूरी तरह स्वतंत्र है।

बिनु सावण घनहरु गाजै ॥
बिन बरसात के मौसम में भी, बादल गरजते हैं। यह उस अंतर्दृष्टि के जागरण का संकेत है जो समय और परिस्थितियों से परे होती है।

बादल बिनु बरखा होई ॥
बिन बादल भी, वर्षा होती है। यह उस पूर्णता का प्रतीक है जो बिना किसी बाहरी स्रोत या कारण के, अंतरात्मा में जागृत होती है।

जउ ततु बिचारै कोई ॥१॥
यह परिवर्तनकारी अनुभव, वास्तविकता के स्वरूप पर गहरे चिंतन से पैदा होता है। यह आत्म-साक्षात्कार की अवस्था को रेखांकित करता है। (१)

मो कउ मिलिओ रामु सनेही ॥
मेरा साक्षात्कार उस सर्वव्यापी प्रेममय उपस्थिति से हुआ है। यह उस सामंजस्य को दर्शाता है जिसमें एकत्व केवल विचार न रहकर प्रत्यक्ष अनुभव बन जाता है।

जिह मिलिऐ देह सुदेही ॥१॥ रहाउ ॥
जब उसका साक्षात्कार होता है, तब शरीर और अस्तित्व संतुलित एवं समन्वित हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि स्पष्ट और शांत मन का शारीरिक अस्तित्व पर भी सामंजस्यपूर्ण प्रभाव पड़ता है। (१)(विराम)

मिलि पारस कंचनु होइआ ॥
पारस के स्पर्श से मैं सोना बन गया हूँ। यह उस कीमियाई रूपांतरण की ओर संकेत करता है जिसमें ज्ञान के संपर्क से भ्रम स्पष्टता में बदल जाता है।

मुख मनसा रतनु परोइआ ॥
मुख और मन ने मिलकर एक रत्न पिरो लिया है। यह उस सामंजस्य का प्रतीक है जिसमें व्यक्ति के वाणी और विचार भीतर की सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं।

निज भाउ भइआ भ्रमु भागा ॥
अपने इरादों पर विचार करने से, मेरा संदेह दूर हो गया। यह आत्म बोध की अवस्था को स्पष्ट करता है जिसमें अपने वास्तविक स्वरूप की पहचान भ्रम को दूर कर देती है।

गुर पूछे मनु पतीआगा ॥२॥
ज्ञान की उत्सुकता रखने पर मन को संतोष प्राप्त होता है। यह उस स्पष्टता और आत्मविश्वास की ओर संकेत करता है जो ईमानदारी से किये गए आत्मचिंतन से उत्पन्न होते हैं। (२)

जल भीतरि कुमभ समानिआ ॥
घड़े के भीतर पानी समाया हुआ है। यह दर्शाता है कि व्यक्तिगत अस्तित्व, एक विशाल और सर्वव्यापी परम-सत्य के भीतर विद्यमान है॥

सभ रामु एकु करि जानिआ ॥
मैंने यह जान लिया है कि वह सर्वव्यापी ऊर्जा मूल रूप से एक ही है। यह अंतर्दृष्टि प्रकट करती है कि हमें जो विविध रूप दिखाई देते हैं, वह एक ही मूल स्रोत की अभिव्यक्तियाँ हैं।

गुर चेले है मनु मानिआ ॥
इस बात को स्वीकार करना कि गुरु और शिष्य, दोनों ही चेतना के स्वरूप हैं। यह उस एकीकृत चेतना की पहचान की ओर संकेत करता है जो ज्ञान का स्रोत भी है और उसे ग्रहण करने वाली भी वही है।

जन नामै ततु पछानिआ ॥३॥३॥
नामदेव कहते हैं कि उन्होंने उस परम-तत्व को पहचान लिया है। यह कथन, एकत्व के सार्वभौमिक सत्य को समझने और स्वीकार करने की पुष्टि के साथ समाप्त होता है। (३)(३)

तत्त्व: भक्त नामदेव हमें आंतरिक अनुभूति की अनूठी प्रकृति पर चिंतन करने के लिए प्रेरित करते हैं जो बाहरी संसार पर निर्भर हुए बिना भी जागृत हो सकती है। वह बिना बादलों की वर्षा और बिना ध्वनि के संगीत, जैसे रूपकों का उपयोग यह समझाने के लिए करते हैं कि आध्यात्मिक यात्रा अहंकार की सीमाओं से परे होती है। पारस पत्थर का संदर्भ देते हुए, वह यह संकेत देते हैं कि साधक अस्तित्व के सार पर चिंतन करके स्वयं को रूपांतरित कर सकता है। इस अवस्था में, मार्गदर्शक, साधक और स्रोत के बीच के भेद मिलकर एक ही, सर्वव्यापी चेतना में विलीन हो जाते हैं।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**
Oneness In Diversity Research Foundation
वेबसाइट: OnenessInDiversity.com
ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com